CBSE Class 09 - Hindi B

आदर्श प्रश्न पत्र - 09 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

सत्संग से हमारा अभिप्राय उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति से है। मानव मन में श्रेष्ठ एवं गर्हित भावनाएँ मिश्रित रूप से विद्यमान रहती हैं। कुछ व्यक्ति सहज सुलभ सद्गुणों की उपेक्षा करके कुमार्ग का अनुगमन करते हैं। उनकी संगति प्रत्येक के लिए भयंकर सिद्ध होती है। वे न केवल अपना ही विनाश करते हैं, अपितु अपने साथ रहने तथा वार्तालाप करने वालों के जीवन और चरित्र को भी पतन अथवा विनाश के गर्त की ओर उन्मुख करते हैं। अतः ऐसे व्यक्तियों की संगति से सदैव बचना चाहिए। विश्व में प्रायः ऐसे मनुष्य ही अधिक हैं जो उत्कृष्ट और निकृष्ट दोनों प्रकार की मनोवृत्तियों से युक्त होते हैं। उनका साथ यदि किसी के लिए लाभप्रद नहीं होता तो हानिकारक भी नहीं होता। इसके अतिरिक्त तृतीय प्रकार के मनुष्य वे हैं जो गर्हित भावनाओं का दमन करके केवल उत्कृष्ट गुणों का विकास करते हैं। ऐसे व्यक्ति निश्चय ही महान प्रतिभा-सम्पन्न होते हैं। उनकी संगति प्रत्येक व्यक्ति में उत्कृष्ट गुणों का संचार करती है। उन्हीं की संगति को सत्संग के नाम से पुकारा जाता है।

i. सत्संग से लेखक का क्या अभिप्राय है? (2)
ii. मानव मन में कौन सी भावनाएँ विद्यमान रहती हैं? (2)
iii. कुमार्ग का अनुगमन करने वालों की संगति भयंकर क्यों सिद्ध होती है? (2)
iv. 'महान प्रतिभा सम्पन्न' व्यक्ति किसे कह सकते हैं? (2)
v. 'सत्संग' शब्द का संधि-विच्छेद करिए। (1)
vi. किनकी संगति तो सत्संग कहा जाता है? (1)

खंड - ख (व्याकरण)

2. कोई शब्द पद कहलाएगा जब ________।

a. उसका स्वतंत्र प्रयोग हो।

b. उसमें कोई परिवर्तन न किया जा सके।

c. वह वाक्य में प्रयोग किया जाएगा।

d. उसका कोई निश्चित अर्थ न हो।

3. पद को _______ भी कहा जाता है।

a. शब्द रूप

b. शब्द समूह

c. पदबंध

d. शब्दांश

4. निम्नलिखित शब्दों में कौन-से शब्द में अनुनासिक का प्रयोग सही रूप में किया गया है?

a. कहीं = क्+अ+ह्+ ईं

b. स्वमं = स्+व्+अ+म्+अ

c. सम्मान =स्+म्,+आ+न्+क

d. गोंद= ग्+ओ+द्+अ

5. निम्नलिखित में से उचित स्थान पर लगे अनुस्वार वाला शब्द कौन-सा है?

a. गावं

b. आनंद

c. सन्यासी

d. मडंली

6. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

7. 'निर्जन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयोग किया गया है?

a. जन

b. नि:

c. नि

d. निर्

8. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय प्रयोग किया गया है ?

a. निडर

b. आजन्म

c. बचपन

d. भरपेट

9. 'महत्व' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग किया गया है?

a. हत्व

b. त्व

c. वह

d. व

10. निम्नलिखित में से श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द युग्म का उदाहरण है -

a. जरा-ज़रा

b. साथ-साथ

c. दीन-हीन

d. हाथों-हाथ

11. "______तुम हर _____घर से कहाँ गायब रहते हो ?" - रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द -युग्म से करें ।

a. श्याम-शाम

b. साम-दाम

c. श्याम-रोज़

d. दाम-साम

12. 'पुत्र' शब्द का पर्यायवाची बताइए

a. कानन

b. विमल

c. तनय

d. दनुज

13. 'उचित' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. उपयुक्त

b. गात

c. अंबर

d. कानन

14. 'गरल' शब्द का विलोम बताइए।

a. शांति

b. अमृत

c. सरल

d. समीप

15. 'अनाथ' शब्द का विलोम बताइए।

a. सबल

b. सनाथ

c. संबंधी

d. नाथ

16. **राजा नगर में आए** किस वाक्य का उदाहरण है?

a. सरल वाक्य

b. उपवाक्य

c. निषेधवाचक वाक्य

d. विधिवाचक वाक्य

17. जहाँ एक वाक्य दूसरे वाक्य की संभावना पर निर्भर हो, उसे कौन-सा वाक्य कहते हैं?

a. विस्मयादिबोधक वाक्य

b. आज्ञावाचक वाक्य

c. संकेतवाचक वाक्य

d. निषेधवाचक वाक्य

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. भगवाना का मुँह-अँधेरे खरबूजे तोड़ना किस तरह जानलेवा साबित हुआ?

b. लेखक के अनुसार अतिथि का देवत्व कब समाप्त हो जाता है?

c. धर्म और ईमान के नाम पर कौन-कौन से ढोंग किए जाते हैं?

19. दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए कि शोक के समय धनी और निर्धन की दशा में क्या अंतर होता है?

OR

एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा पाठ में उपनेता प्रेमचंद ने किन परिस्थितियों से अवगत कराया?

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै - रैदास की पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

   b. विपत्ति के समय अपनी ही सम्पत्ति क्यों काम आती है?

   c. सुखिया के पिता किस सामाजिक बुराई के शिकार हुए? एक फूल की चाह कविता के आधार पर बताइए।

21. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता? रहीम के पद के आधार पर लिखिए।

OR

पिता को सुखिया की अंतिम इच्छा पूरी करने में क्या-क्या कठिनाइयाँ आई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

   a. गिल्लू को मुक्त कराने की आवश्यकता क्यों समझी गयी और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किए?

   b. हामिद खाँ ने लेखक की किस बात का विश्वास नहीं किया और क्यों? स्पष्ट कीजिए। लेखक के द्वारा दिए गए उत्तर से हमें क्या सीख मिलती है? बताइए।

   c. महि सागर नदी नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

खंड - घ (लेखन)

23. **वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

विज्ञापनों का जीवन पर प्रभाव विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

24. आपके मित्र के पिताजी ने नया मकान बनवाया है, परन्तु, आप गृह-प्रवेश पर पहुँचने में असमर्थ है, इसलिए इस सुअवसर पर अपने मित्र को शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

OR

वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आने पर अपने मित्र को बधाई पत्र लिखिए।

25. आप अपने क्षेत्रवासियों की ओर से नवनिर्वाचित विधायक को बधाई संदेश दीजिए।

OR

आप अपने नर्वनिर्वाचित सांसद को बधाई देते हुए संदेश लिखिए।

26. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

27. गरीबी उन्मूलन विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

कोरोना से बचाव विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

9 Hindi B SP-09

Class 09 - Hindi B

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. उत्तम प्रकृति के व्यक्तियों की संगति को लेखक ने सत्संग कहा है।
   ii. मानव मन में श्रेष्ठ एवं गर्हित भावनाएँ मिश्रित रूप से विद्यमान रहती हैं।
   iii. कुमार्ग का अनुगमन करने वाले न केवल अपना विनाश करते हैं, अपितु अपने साथ रहने तथा वार्तालाप करने वालों के जीवन और चरित्र को भी पतन अथवा विनाश के गर्त की ओर उन्मुख करते हैं।
   iv. वे व्यक्ति जो गर्हित भावनाओं का दमन करके केवल उत्कृष्ट गुणों का विकास करते हैं, 'महान प्रतिभा-सम्पन्न' व्यक्ति कहलाते हैं।
   v. सत्संग = सत् + संग।
   vi. प्रतिभा-सम्पन्न लोगों की संगति को सत्संग कहा जाता है।

खंड - ख (व्याकरण)

2. (c) वह वाक्य में प्रयोग किया जाएगा।

   Explanation: वह वाक्य में प्रयोग किया जाएगा। जैसे- श्याम, मैदान [श्याम मैदान में खेलता है।]
3. (a) शब्द रूप

   Explanation: पद को शब्द रूप भी कहते हैं क्योंकि उसमे रूप साधक प्रत्यय भी लगे होते हैं।
4. (a) कहीं = क्+अ+ह्+ ईं

   Explanation: कहीं = क्+अ+ह्+ ईं।
5. (b) आनंद

   Explanation: आनंद। आनंद = आनन्द
6. (b) अतिरिक्त

   Explanation: अतिरिक्त (अति+रिक्त= अधिक)
7. (d) निर्

   Explanation: निर् (निर्+जन)
8. (c) बचपन

   Explanation: बचपन (बच्चा+पन)
9. (b) त्व

   Explanation: त्व (महत+ त्व)
10. (a) जरा-ज़रा

    Explanation: दोनों शब्द सुनने में एक जैसे परन्तु अर्थ बिल्कुल अलग(बुढ़ापा, थोड़ा) है ।

11. (a) श्याम-शाम

    Explanation: दोनों शब्द सुनने में एक से व अर्थ में भिन्न हैं ।

12. (c) तनय

    Explanation: पुत्र-तनय

13. (a) उपयुक्त

    Explanation: उचित- उपयुक्त

14. (b) अमृत

    Explanation: गरल-अमृत

15. (b) सनाथ

    Explanation: अनाथ - सनाथ

16. (d) विधिवाचक वाक्य

    Explanation: जिस वाक्य में किसी बात के होने का बोध हो, उसे विधिवाचक वाक्य कहते हैं। उपरोक्त उदाहरण में राजा के नगर में आने का बोध है, अतः ये विधिवाचक वाक्य का उदाहरण है।

17. (c) संकेतवाचक वाक्य

    Explanation: संकेतवाचक वाक्य में एक वाक्य दूसरे वाक्य की संभावना पर निर्भर होते हैं। ये वाक्य केवल मिश्र वाक्य होते हैं।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. भगवाना अपने खेत में मुँह-अँधेरे ही पके खरबूजे तोड़ने चला गया। वहाँ गीली मेड़ की तरावट में विश्राम करते हुए साँप पर उसका पैर पड़ गया, जिसे वह हल्का अँधेरा होने के कारण देख न सका था। साँप के डसने से उसकी मृत्यु हो गई। इस तरह मुँह अँधेरे खरबूजे तोड़ना उसके लिए जानलेवा सिद्ध हुआ।

    b. लेखक का मानना है कि अतिथि देवता होता है, पर यह देवत्व उस समय समाप्त हो जाता है जब अतिथि एक दिन से ज्यादा किसी के यहाँ ठहर कर मेहमान नवाजी का आनंद उठाने लगता है। उसका ऐसा करना मेज़बान पर बोझ बनने लगता है।

    c. आज धर्म और ईमान के नाम पर उपद्रव किए जाते हैं और आपसी झगड़े करवाए जाते हैं। स्वार्थ सिद्धि के लिए लड़ाया जाता है। धर्म के नाम पर दंगे होते हैं और धर्म तथा ईमान पर जिद की जाती है। हर समुदाय का व्यक्ति दूसरे की जान लेने तथा जान देने के लिए तैयार है।

19. शोक के समय धनी और निर्धर दोनों ही दु:ख में डूब जाते हैं। दोनों को इसकी अनुभूति भी समान होती है। फिर भी दोनों के दु:ख की अभिव्यक्ति में पर्याप्त अन्तर होता है। गरीब व्यक्ति अधिक समय तक शोक नहीं मना सकता क्योंकि उसके पास कोई एकत्र धन नहीं है जिसे वह दु:ख के समय खर्च कर गुजारा चला सके। उसे तो अपना परिवार पालने के लिए

रोजी-रोज़गार की तलाश में जाना ही पड़ता है। जबकि अमीर व्यक्ति के पास सब सुख-सुविधाएँ होती हैं, सेवा करने वाले मौजूद होते हैं उसे कोई चिन्ता या मजबूरी नहीं होती अतः उन दोनों की दशा में बहुत अंतर होता है।

OR

अभियान दल के उपनेता प्रेमचन्द अग्रिम दल का नेतृत्व कर रहे थे। वे 26 मार्च को पैरिच लौट आए और आकर उन्होंने पहली बड़ी बाधा खंभु हिमपात की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कैम्प-एक 6000 मीटर ऊपर है, जो हिमपात के ठीक ऊपर ही है। वहाँ तक जाने का रास्ता साफ कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर तथा झाँड़ियों से रास्ता चिह्नित कर सभी बड़ी बाधाओं का जायज़ा ले लिया गया है। यह भी बताया कि ग्लेशियर बर्फ की नदी है और अभी बर्फ का गिरना जारी है। हिमपात के कारण सारा काम व्यर्थ भी हो सकता है तथा हमें रास्ता खोलने का काम दोबारा भी करना पड़ सकता है।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै का आशय यह है कि ईश्वर गरीब निवाजु है जिन्हें अस्पृश्य, अछूत मानकर यह संसार ठुकराता है उन्हें वह अपनी शरण में लेकर उनका कल्याण करता है। उनके दुःख को देखकर द्रवित होता है। उनके दुःख को दूर करता है।

b. दूसरे की सम्पत्ति पर कोई अधिकार नहीं होता है, हो सकता है जरूरत के समय पर दूसरा व्यक्ति ना-नुकर करे। इसलिए विपत्ति के समय अपनी सम्पत्ति ही काम आती है।

c. सुखिया का पिता उस वर्ग से संबंधित था, जिसे समाज के कुछ लोग अछूत कहते हैं, इस कारण वह छुआछूत जैसी सामाजिक बुराई का शिकार हो गया था। अछूत होने के कारण उसे मंदिर को अपवित्र करने और देवी का अपमान करने का आरोप लगाकर पीटा गया तथा उसे सात दिन की जेल मिली।

21. प्रेम का धागा विश्वास से बँधा होता है। जब धागा टूट जाता है तो मन में गाँठ पड़ जाती है और पहले की तरह प्रेमपूर्ण सम्बन्ध नहीं बन पाते। अर्थात् विश्वास खत्म हो जाने पर मन को नहीं जोड़ा जा सकता। अतः सम्बन्धों की डोर से आपसी विश्वास को मज़बूत बनाए रखना चाहिए। सम्बन्धों को जोड़ने में, बनाने में बहुत समय लगता है परन्तु तोड़ना बहुत आसान होता है। अतः हमें सम्बन्धों को बड़ी ही नज़ाकत के साथ निभाना चाहिए।

OR

पिता को सुखिया की अंतिम इच्छा पूरी करने में निम्नलिखित कठिनाइयाँ आईं :-

i. सुखिया के पिता को मंदिर के प्रसाद का एक फूल लाना था, अतः वह निराशा में डूब गया, क्योंकि वह सामाजिक स्थिति को जानता था।
ii. मंदिर में जैसे ही उसने पुजारी से प्रसाद लिया तभी कुछ लोगों ने उसे पहचान लिया और उन्होंने उसे खूब मारा-पीटा। मंदिर में पुजारी से मिला प्रसाद नीचे बिखर गया।

iii. न्यायालय से दण्ड दिया गया।

iv. वह पुत्री को प्रसाद का फूल न दे सका और उसके घर पहुँचने से पहले ही वह स्वर्ग सिधार गई।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. जब गिल्लू के जीवन का पहला बंसत आया तब बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक की आवाज़ करके मानो कुछ कहने लगीं। गिल्लू भी जाली के पास बैठकर बाहर झाँकता रहता। तब लेखिका को लगा कि इसे मुक्त करना आवश्यक है इसलिए कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया। ऐसे लगा कि गिल्लू ने इससे बाहर जाकर जैसे मुक्ति की सांस ली। लेखिका के हृदय में जीवों के प्रति दया का भाव था वह उनकी इच्छाओं का सम्मान करती थी। वह पशु-पक्षियों को किसी बंधन या कैद में नहीं रखना चाहती थी। जब उन्हें महसूस हुआ कि गिल्लू बाहर जाना चाहता है तो उन्होंने उसे बाहर जाने के लिए स्वयं रास्ता दे दिया।

b. लेखक जब तक्षशिला के खण्डहर देखने गया तो वहाँ की कड़कड़ाती धूप में भूख-प्यास से बेहाल हो गया। तभी चपातियाँ की सौंधी महक सूँघकर वह एक दुकान की ओर मुड़ गया जहाँ पठान अंगीठी के पास बैठा चपातियाँ सेंक रहा था। लेखक ने उसे बताया कि वह मालाबार (केरल)का रहने वाला है तो उस व्यक्ति ने शंका व्यक्त की क्या वह हिन्दू होकर एक मुसलमानी होटल में खाना खायेगा। लेखक द्वारा यह बताने पर कि हमारे यहाँ हिंदू-मुसलमान मिल-जुलकर रहते हैं और बढ़िया चाय या बढ़िया पुलाव के लिए मुसलमानी होटल में खाना खाते हैं। लेकिन लेखक की इस बात पर पठान हामिद खाँ को विश्वास न हुआ और बोला-काश मैं आपके मुल्क में आकर सब बातें अपनी आँखों से देख पाता। उसने लेखक को बड़े प्रेम से खाना खिलाया और जिद करने पर भी केवल एक रुपया ही लिया और वह भी यह कहते हुए वापस कर दिया कि इससे अपने मुल्क में जाकर किसी मुसलमानी होटल में पुलाव खा लेना। इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि हिंदू-मुसलमान सब एक हैं हमें आपस में प्रेम और भाईचारे की भावना से एक साथ मिल-जुलकर रहना चाहिए।

c. महि सागर नदी के दोनों किनारे पर मेला-सा लगा था। आधी रात को, सत्याग्रहियों को, घुप्प अँधेरी रात में, ग्रामीणों के हाथों में जलते हुए दिए राह दिखाने के लिए जगमगा रहे थे। एक तरफ भजन मण्डलियाँ गा रही थीं, दूसरी तरफ दांडिया रास में निपुण दरबारों के बोल पूँज रहे थे। गाँधी, नेहरू और सरदार पटेल की जय-जयकार के नारे लग रहे थे। सभी में देश के प्रति प्रेम एवं त्याग की भावना थी।

खंड - घ (लेखन)

23. मनुष्य सामाजिक प्राणी है। परस्पर सहयोग उसके जीवन का महत्त्वपूर्ण अंग है। परस्पर सहयोग के अभाव में समाज का अस्तित्व ही नहीं रह जाता। व्यक्ति को पग-पग पर दूसरों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। व्यास जी ने कहा है-परहित साधन ही पुण्य है और दूसरों को कष्ट देना ही पाप है। परोपकार के समान दूसरा धर्म नहीं है। परोपकार का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रकृति में देखने को मिलता है। मेघ दूसरों के लिए वर्षा करते हैं, वायु दूसरों के लिए चलती है तथा सरिता भी दूसरों की प्यास बुझाने के लिए बहती है। पुष्पअपनी सुगन्ध बिखेरकर, वृक्ष स्वयं धूप सहकर और पथिकों को छाया प्रदान करके हमें परोपकार की प्रेरणा देते प्रतीत होते हैं। परोपकार करने वाला मनुष्य पूज्य बन जाता है। परहित के कारण

गाँधी जी ने गोलियाँ खाईं, सुकरात ने जहर पिया तथा राजा शिवि ने बाज के आक्रमण से भयभीत कबूतर की रक्षा के लिए अपने शरीर का माँस दिया, ऋषि दधीचि ने मानव कल्याण के लिए स्वेच्छा से अपनी अस्थियाँ दान करके सम्पूर्ण मानवता को वृत्रासुर के अत्याचारों से मुक्त कराया। बुद्ध, महावीर जैसे महापुरुषों ने तृप्त मानवता को परोपकार का पावन मार्ग दिखाया। पंचशील का सिद्धान्त भी परोपकार की ही देन है। अपने लिए तो पशु भी जी लेते हैं। परोपकार इसी कारण मानवीय वृत्ति है। मनुष्य की परिभाषा देते हुए कवि ने कहा है- वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए जिए।

OR

विज्ञापन का उद्देश्य है प्रचार-प्रसार द्वारा प्रचारकर्ता और आम जनता के बीच सम्पर्क स्थापित करना। सामान्य रूप से व्यापारी या उत्पादक उपभोक्ता को अपना माल बेचने के लिए विज्ञापनों का सहारा लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापन उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। ये एक ओर उत्पादकों के माल की गुणवत्ता जनता तक पहुँचाते हैं और दूसरी ओर जनता को नई-नई जानकारियाँ देकर नये उत्पादों से परिचित कराते हैं, उन्हें शिक्षित करते हैं। विज्ञापन विविध प्रकार के होते हैं-व्यापारिक, शैक्षिक, प्रवेश और नियुक्ति सम्बन्धी, जन-जागरण सम्बन्धी, धार्मिक, मनोरंजन सम्बन्धी आदि। ये विज्ञापन हमारे मन को निश्चित रूप से प्रभावित करते हैं। हम जितना भी माल खरीदते हैं, उनमें विज्ञापनों का पूरा-पूरा योगदान होता है। आज कोई भी ग्राहक सामान खरीदते समय केवल प्रसिद्ध ब्राण्डों पर ही नजर दौड़ाता है। नमक हो या साबुन, पंखे हों या फ्रिज-सबके चुनाव में विज्ञापन हमें प्रेरित करते हैं। दुकान के सामने खड़े होकर माल नहीं, प्रसिद्ध नाम खरीदते हैं। ऐसे में विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह न करें, बल्कि उन्हें अपने उत्पाद के गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित माल, उचित ग्राहक तक पहुँचेगा और विज्ञापन-अपने लक्ष्य में सफल होगा।

24. 76, पिंकसिटी,
जयपुर।
दिनांक : 05-03-2019
प्रिय मित्र राहुल
सप्रेम नमस्कार।
तुम्हारा आमन्त्रण पत्र मिला, जिससे ज्ञात हुआ कि आपके पिताजी ने नया आवास बनवाया है और आपने गृह प्रवेश के कार्यक्रम पर मुझे आमन्त्रित किया है। सर्वप्रथम, अपने नए मकान के गृह-प्रवेश के अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई स्वीकारें। साथ ही खेद भी है कि मैं इस सुअवसर पर सम्मिलित होने में असमर्थ हूँ। कारण यह है कि उसी दिन विद्यालय में मेरी विज्ञान प्रदर्शनी है। जिसके अंक भी वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल में जोड़े जायेंगे। मैं चाहकर भी आपके यहाँ आने में असमर्थ हूँ। अतः क्षमा करना। मेरी ओर से शुभकामनाएँ और बधाई स्वीकार करें। समय मिलते ही मैं शीघ्र ही आपसे मिलने आपके नए घर आऊँगा। चाचाजी एवं चाचीजी को मेरा सादर प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र
हरीश

OR

245-P, गांधीनगर,

जयपुर

दिनांक : 05-03-2019

प्रिय मित्र, पवन

सप्रेम नमस्कार।

आज ही सुबह समाचार-पत्र में तुम्हारा फोटो देखा और पता चला कि तुम अंतरविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता में पूरी दिल्ली में प्रथम आए हो। यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई। यह उपलब्धि तुम्हारी योग्यता के अनुरूप ही है। ईश्वर करे तुम और भी ऊँचाइयों को छुओ। कृपया इस उपलब्धि के लिए मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो।

अपने माता-पिता को भी मेरी ओर से बधाई देना।

तुम्हारा मित्र,

पंकज

25.

संदेश

13 अक्तूबर 20xx

प्रातः 11:40 बजे

हम सब पालम विधानसभावासी नवनिर्वाचित विधायक श्री गिरीश जी को तहे दिल से बधाई देते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप हमारे विश्वास को बनाए रखेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में आप सब का अमूल्य योगदान है अतः सभी मर्यादाओं को ध्यान में रखकर क्षेत्र के हित में आवश्यक कदम उठाएँगे। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे ऐसा हम सबका विश्वास है।

निवेदक

समस्त क्षेत्रवासी

OR

संदेश

13 अक्तूबर, 2020

प्रातः 11:52 बजे

हमारे नवनिर्वाचित सांसद श्री गिरीश सिंह जी को हार्दिक बधाई। ऊपरी सदन में आपकी उपस्थिति से हमारे क्षेत्र एवं देश के कल्याणकारी मुद्दों को बल मिलेगा। विकास और जनकल्याण का मार्ग सुगम होगा। आपके राजनीतिक अनुभव और ज्ञान का लाभ हमारे क्षेत्र को प्राप्त होगा। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे। गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। किसानों, मजदूरों व युवाओं को उनका हक मिलेगा। आपकी जीत से हमारे क्षेत्र की नव निर्माण की राह खुलेगी।

समस्त क्षेत्रवासी

26. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।
दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।
पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।
दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।
पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।
दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।
पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

27. गरीबी उन्मूलन में सहायता का करो संकल्प।
देश को विकसित बनाने का यही है विकल्प।

OR

जितना हो सके घर पर रहना या फिर करना है ये टास्क।
दूरी रखना, हाथ को धोना और लगाए रहना है ये मास्क।